**हिंदी सप्ताह - 2019 समारोह**

भाकृअनुप-केन्‍द्रीय अंतर्स्‍थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्‍थान, बैरकपुर एवं इसके अधीनस्थ केंद्रों में हिंदी सप्‍ताह समारोह का आयोजन

भाकृअनुप-केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर में दिनांक 13-19 सितंबर के दौरान हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों जैसे, कविता पाठ, निबंध लेखन, हिंदी कार्य समीक्षा और प्रश्‍नोत्‍तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता के साथ संयुक्त रूप से दिनांक 13 सितम्‍बर, 2019 को किया गया तथा एक साथ ही, दिवसीय हिंदी वैज्ञानिक कार्यशाला “अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी: संरक्षण, संवर्धन एवं जीविकोपार्जन” का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ उत्तम कुमार सरकार, प्रभागाध्यक्ष, भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर ने स्वागत भाषण के साथ किया । सम्मानित अतिथि डॉ (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, महाध्यक्ष (निर्वाचित), इंडियन साइंस कांग्रेस, कोलकाता ने अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक एवं अन्य अधिकारियों को हिंदी में इस बड़े स्तर पर कार्यशाला आयोजित करने के लिए प्रशंसा की।

सम्मानित अतिथि डॉ मनोज कुमार चक्रवर्ती, पूर्व महाध्यक्ष, इंडियन साइंस कांग्रेस, कोलकाता ने अपने संबोधन में हिंदी सप्ताह के संयुक्त आयोजन के लिए संस्थान को धन्यवाद दिया तथा यह आशा जताई कि मछुआरो की आय दुगुनी करने में यह कार्यशाला महत्व भूमिका निभाएगा। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष, इंडियन साइंस कांग्रेस, कोलकाता ने हिंदी सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से विशेषकर मछली पालको की आय दुगुनी करने के प्रयासो को एक बल मिलेगा। संस्थान के निदेशक ने अपने संबोधन में इस कार्यशाला के उद्देश्य एवं लक्ष्य के बारे में सभी प्रतिभागियो को अवगत कराया। उन्होंने भारत के विभिन्न भागो में मत्स्यपालकों के जीवनयापन की स्थिति की चर्चा की और उम्मीद जताया की संस्थान के प्रयासों से मछुआरो के वर्तमान स्थिति में निश्चित रूप से सुधार होंगे ।

इस अवसर पर तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया : (1) अंतर्स्थलीय मत्स्य संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन प्रभाव का विश्लेषण, (2) मात्स्यिकी संवर्धन हेतु प्रौधोगिकिया एवं आजीविका सुरक्षा, एवं (3) अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी का संरक्षण – समस्याए और संभावनाएं। कार्यशाला के दो सत्रों में विभिन्न विषयो पर पैंसठ से अधिक वैज्ञानिक, शोधकर्मी, और हितधारको ने अपने विचारों/कार्यों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया और मात्स्यिकी तथा मछुआरो के लिए नई दिशायों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। लगभग एक सौ से ज्यादा प्रतिभागियो ने इस कार्यशाला में भाग लिया ।

समापन समारोह दिनांक 19 सितम्‍बर, 2019 को संस्‍थान के निदेशक, डा. बसन्‍त कुमार दास की अध्‍यक्षता में सम्‍पन्‍न हुआ। इस अवसर पर डॉ. सत्‍य प्रकाश तिवारी, अध्‍यक्ष, हिंदी विभाग, शिवपुर दीनबंधु संस्थान, शिवपुर, हावड़ा, मुख्‍य अतिथि और डॉ. बंकिम चन्‍द्र झा, पूर्व प्रभागाध्‍यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्‍य अतिथि, डॉ. सत्‍य प्रकाश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कृषि विज्ञान से जुडे संस्थान होने के कारण यहाँ कई किसान आते होंगे, उनसे उनकी भाषा में विचारों का आदान प्रदान करना चाहिए और हम सभी को हिंदी में रूचि लेकर काम करना चाहिए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्थान के निदेशक ने हिंदी के प्रभाव और विस्‍तार का उल्‍लेख करते हुए सभी कर्मचारियों से हिंदी में आधिकाधिक कार्य करने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि संस्थान तम्‍बाकू मुक्‍त क्षेत्र है एवं सभी को किसी भी प्रकार के तम्‍बाकू उत्‍पाद से बचना चाहिए। उन्होंने संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय और घर में प्‍लास्टिक, पॉलीथिन आदि का उपयोग नहीं करने और अपने पास-पड़ोस के लोगों को इसका उपयोग न करने के लिए जागरूक होने पर जोर दिया । इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक महोदय और मुख्‍य अतिथि के द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये और संस्‍थान कर्मियों के मेघावी बच्‍चों, जिन्‍होंने कक्षा 10 एवं 12 में अच्छा अंक प्राप्‍त किया है, को नकद पुरस्‍कार एवं प्रमाण-पत्र दिया गया। हिन्दी सप्ताह समारोह का व्यापक कवरेज हिन्दी समाचार पत्रों जैसे सन्मार्ग, प्रभात खबर और दैनिक जागरण में हुआ।

**संस्थान का बेंगलुरू केंद्र**

संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बैंगलूर में दिनांक 13.09.2019 से 19.09.2019 तक हिंदी सप्ताह - 2019 समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनांक 13.09.2019 को “ कार्यालय में राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन” पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भाकृअनुप-केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सतेन्द्र कुमार, हिन्दी अधिकारी, भाकृअनुप-राष्ट्रीय, कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बैंगलूर ने राजभाषा संबंधी अधिनियमों एवं आदेशों के अनुपालन करने पर जोर दिया।

**संस्थान का गुवाहाटी केंद्र**

राजभाषा हिंदी के प्रचार दिनांक एवं इसके प्रयोग की गति को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 13 से 19 सितम्बर 2019 तक केन्द्र में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में केंद्राध्यक्ष की अध्यक्षता में 'पूर्वोत्तर क्षेत्र में मात्स्यिकी विकास' विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विशेष अतिथि डॉ आर. बोरदोलोई, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, अंचल-VI, गुवाहाटी थे। इस कार्यशाला के माध्यसम से केन्द्र के वैज्ञानिकों ने अपने शोध कार्यों एवं विचारों को हिंदी में प्रस्तुत किया। हिन्दी सप्ताह के दौरान प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और शब्दार्थ लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 19 सितम्बर 2019 को हिंदी सप्ताह के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ अनिल कुमार त्रिपाठी, निदेशक, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, अंचल-VI गुवाहाटी थे। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के सफल प्रतियोगियों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ हिन्दी कार्यशाला के वक्ताओं को भी सम्मानित किया गया।

**संस्थान का वडोदरा केंद्र**

हिंदी सप्ताह का आयोजन 13-19 सितंबर, 2019 के दौरान और हिंदी दिवस 17 सितंबर, 2019 को मनाया गया। डॉ. बी. एल. शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) वड़ोदरा और श्री धनेश परमार, वरिष्ठ अनुवादक, हैवी वाटर प्लांट, वडोदरा ने अतिथि के रूप में उपस्थित हुए । इस दौरान आयोजित प्रयोगिताओं में संस्थान कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

2019

भाकृअनुप-केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर एवं भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था, कोलकाता के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13 सितम्‍बर, 2019 को सभागृह में दीप प्रज्‍जवलित कर हिंदी सप्ताह का उद्घाटन किया गया।

हिंदी सप्ताह के अवसर पर 13-19 सितंबर के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों यथा, कविता पाठ, निबंध लेखन, हिंदी कार्य समीक्षा और प्रश्‍नोत्‍तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

समापन समारोह दिनांक 19 सितम्‍बर, 2019 को संस्‍थान के निदेशक डा. बसन्‍त कुमार दास की अध्‍यक्षता में सम्‍पन्‍न हुआ। डॉ. सत्‍य प्रकाश तिवारी, अध्‍यक्ष, हिंदी विभाग, शिवपुर दीनबंधु संस्थान, शिवपुर, हावड़ा मुख्‍य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

डॉ सुमन कुमारी, वैज्ञानिक ने हिंदी सप्‍ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की संक्षिप्‍त जानकारी दी। श्री संजीव कुमार साहू, वैज्ञानिक ने स्‍वागत भाषण दिया और हिन्‍दी सप्‍ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के बारे में विस्‍तृत जानकारी दी।

डॉ. वी. आर. सुरेश, प्रभागाध्‍यक्ष ने कहा कि आज हिंदी भाषा केवल हिंदी भाषी क्षेत्र तक सीमित ने होकर संपूर्ण भारत में फैल चुकी है। उन्‍होंने अपने सम्‍बोधन में कहा कि मैं केरल का हूँ परंतु सरलता से हिंदी बोलता हूँ। डा. उत्‍तम कुमार सरकार, प्रभागाध्‍यक्ष ने अपने वक्‍तव्‍य में कहा कि हमें मछुआरों के साथ हिन्‍दी भाषा में बातचीत करनी चाहिए। उन्‍होंने कहा कि अनुसंधान से संबंधित पत्राचार हिंदी राज्‍यों के साथ हिंदी में करना चाहिए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. बंकिम चन्‍द्र झा, पूर्व प्रभागाध्‍यक्ष ने कहा कि भाषा लोगों को जोडती है। आज हमें अपने शोध तथा कार्यालय का कामकाज हिंदी में करने के लिए शपथ लेना चाहिए।

मुख्‍य अतिथि डॉ. सत्‍य प्रकाश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कृषि विज्ञान से जुडे संस्थान होने के कारण यहाँ कई किसान आते होंगे, उनसे उनकी भाषा में आदान प्रदान करना चाहिए और हम सभी को हिंदी में रूचि लेकर काम करना चाहिए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन निदेशक डा. बसन्‍त कुमार दास ने हिंदी के प्रभाव और विस्‍तार का उल्‍लेख करते हुए सभी कर्मचारियों से हिंदी में आधिकाधिक कार्य करने का आह्वान किया। संस्‍थान का वार्षिक प्रतिवेदन विगत कई वर्षों से हिंदी में प्रकाशित होना गौरव की बात है। उन्‍होनं गृह पत्रिका नीलांजलि का भी उल्‍लेख किया। उन्‍होंने कहा कि हमारा यह संस्‍थान तम्‍बाकू मुक्‍त क्षेत्र है एवं आप सभी को किसी भी प्रकार के तम्‍बाकू उत्‍पाद से बचना चाहिए। उन्होंने संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवाह्न किया कि कार्यालय और घर में प्‍लास्टिक, पॉलीथिन आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए और अपने पास-पड़ोस के लोगों को इसका उपयोग न करने के लिए जागरूक करना चाहिए।

,br> कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक महोदय और मुख्‍य अतिथि के द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर संस्‍थान के सहकर्मियों के मेघावी बच्‍चों जिन्‍होंने वर्ग 10 एवं वर्ग 12 में अच्‍छे अंक प्राप्‍त किये, उनको नकद पुरस्‍कार एवं प्रमाण-पत्र से सम्‍मानित किया गया।

डॉ. श्रीकान्‍त सामन्‍ता, प्रधान वैज्ञानिक एवं सर्वकार्यभारी, हिन्‍दी कक्ष ने सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों व सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। राष्‍ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

हिन्दी सप्ताह के उद्द्घाटन समारोह कोलकाता के हिन्दी समाचार पत्रों ने जैसे कि सन्मार्ग, प्रभात खबर और दैनिक जागरण में व्यापक कवरेज ड़ुआ गया ।